

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दौरे भूमि
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं 12 कॉलम 7-8

हकूमि के मलिक जाएंगे दक्षिण कोरिया



कुलपति प्रौ. केपी सिंह व अन्य छात्र के साथ।

फोटो हरिभूमि

- मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं राजनेताओं को कोरिया की सभ्यता जानने का मौका मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज़ ► हिंसाए

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की गांधीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा

राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की सभ्यता को जानने का मौका मिला।

वहाँ रहते हुए उन्होंने दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। हकूमि के फिरदोस ने गांधीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पौलियों कैप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इन उपलब्धियों के कारण उन्हें भारत के दल में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

स्वयंसेवक फिरदोस ने भारतीय संस्कृति के रंग बिखेरते हुए बढ़े मातृरम का गान भी किया। फिरदोस ने दोनों देशों के बीच संबंध एवं आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रस्तुति भी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब कैसरी, मध्य उजाला
 दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 4, 2 कॉलम 7-8, 3-4

हृषि के स्वयंसेवक मलिक ने जानी दक्षिण कोरिया की सभ्यता

हिसार, 28 जनवरी (ब्लॉग):
 चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य छात्र के साथ। भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस को भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहाँ रहते हुए उन्होंने दर्शकण कोरिया के अनेक शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का प्रमाण किया।



एचएयू के छात्र मोहम्मद फिरदोस को दक्षिण कोरिया की संस्कृति का जानने का मिला मौका

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धि पर बधाई दी। बता दें कि इस कार्यक्रम के तहत देशभर से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की सभ्यता को जानने का मौका मिला।



लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दैनिक मासिक

दिनांक २९/।/ २०२०

पृष्ठ सं २

कॉलम ५-६

एचएयू के छात्र मोहम्मद फिरदौस मलिक
का कोरिया से लौटने पर किया स्वागत

दिसंबर | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
की गट्टीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद
फिरदौस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया
में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर
मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह एवं छात्र
कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदौस की
इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक
कार्यक्रम में बढ़चढ़ का भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों
एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की
सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहाँ रहते हुए उन्होंने
दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान,
उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। एचएयू के फिरदौस ने
गट्टीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भारत सिंह के नेतृत्व में
अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने
वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियो
कैप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... सिटी पत्स
दिनांक २४. १. २०२० पृष्ठ सं. ५ कॉलम ७-८

हक्की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक फिरदोस मलिक को दक्षिण कोरिया में आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का मिला अवसर



सिटी पत्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मञ्चालय, भारत दूरदराज आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुल्लूति प्रो के पांडी, सिंह एवं हृषि कल्याण निदेशक द्वारा देनदार प्रियंका दहिया ने फिरदोस को इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़ाकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इसमें पूरे भारत से 23 मेडली छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा युवती योजनाताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर

वहाँ की स्थानता को जानने का मौका मिला। वहाँ दोहरे हुए उद्दीपन दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, जुनान, व्यान, ऊल्यान, इत्याहि का भ्रमण किया। हक्की के फिरदोस ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मंडीजब डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों यात्रियों के पास दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियो कैप, खर्चना और भव्यान में भाग लिया। इन यात्रियों के कारण उनके भारत के दल में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने का मौका निला। स्वयंसेवक फिरदोस ने भारतीय संस्कृति के रूप विख्यात हुए वेद भारतम का गान भी किया। फिरदोस ने दोनों देशों के बीच संबंध एवं आपसी गवाहां बढ़ाने के लिए प्रसरुति भी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

टीवी भूमि

दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं 12 कॉलम 2-6

टिड़ी दलों से निपटने के लिए कृषि विभाग अलर्ट जिलास्तर पर हेल्प डेस्क नंबर जारी

- डॉ. फोगाट ने कहा, अगर किसी किसान को टिड़ी दिखते होने डरक पर सुचना दें

हरिगूर्ज न्यूज ►| हिसार

पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में फसलों पर टिड़ी के प्रकोप को देखते कृषि विभाग व प्रशासन अलर्ट हो गया है। टिड़ी से संबंधित सूचना के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर 01662-225715 स्थापित किया गया है।

पौध संरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव को जिलास्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर 92158-09009 पर किसान टिड़ी दल के बारे में सुचना दे सकते हैं। बता दें कि टिड़ी के प्रकोप से पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बिकानेर, जैसलमेर आदि जिलों फसलों पर प्रभाव देखने को मिला है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिसका किसी व्यक्ति विशेष से कोई



कौट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य सिरसा जिले के किसानों के साथ।

सरोकार नहीं है।

टिड़ी के प्रति संचेत रहें :

डॉ. फोगाट

कृषि उपनिदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने बताया कि किसी भी किसान या अन्य किसी व्यक्ति को टिड़ी नजर आती है तो उसकी सूचना संबंधित कृषि विकास अधिकारी के हेल्प डेस्क नंबर पर दें ताकि समय रहते कार्रवाइ की जा सके।

इसके लिए किसानों को कुछ सुझाव, उपाय एवं सावधानियां

बरतनी होंगी। इसको सावधानी पर्वक अपना कर प्राकृतिक आपदा से निपटने में अपना सहयोग दें। किसान अपने क्षेत्र में टिड़ी के प्रति संचेत रहें। टिड़ी का प्रकोप अगर आपके क्षेत्र में आता है तो आप तुरंत इसकी सूचना टिड़ी नियन्त्रण विभाग के नंबर पर दर्ज करवाएं।

टिड़ी दल से ऐसे करें बचाव

कौटनाशक से टिड़ी दल के ठहराव के समय ही करें तृप्ता हवा की दिशा में ही स्पै करें। टिड़ी

टिड़ी की संख्या नामांत्र ही, स्पै करने वाली स्थिति नहीं

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कौट वैज्ञानिकों की टीम ने डबगाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड़ी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चाहे गांव में गिने घुने खेतों में नामांत्र टिड़ी (5-10 प्रति एकड़) प्राप्त हुआ है। सर्वे में पाया गया कि अब तक स्पै करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड़ी का दल (स्वाली) फसल / वनस्पति पर बैठता है तभी यह फसल/वनस्पति को क्षति करता है। टिड़ी दल का आधिकार करार 10000 टिड़ी प्रति डेवर करने एक टिड़ी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड़ी प्रति छाड़ी है। अभी इनकी संख्या नामांत्र ही है। टिड़ी दल का अब पहाड़ीसी ग़ज़य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है। विज्ञान अधिकारी फसल पर टिड़ी दल के लिए विवरणी अवधारण रखें। टिड़ी दल को ड्रम आदि से आवाज/शेरकर के छठने खेतों में ढूने से रोका जा सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्ररत कौट वैज्ञानिकों को भी इस बारे में विवरणी रखने के लिए सतर्क कर दिया गया है। यदि किसी किसान भाईयों को टिड़ी के बारे में पाया जाए तो वह नज़रबाल के कृषि अधिकारी या कृषि विज्ञान केन्द्र व विश्वविद्यालय के कौट विज्ञान विभाग को तुरन्त अवाज़ करवाएं।

नियन्त्रण विभाग द्वारा दवा का स्पै केवल पड़त, ओरान, गोचर एवं असंचित क्षेत्रों पर ही किया जाएगा, क्योंकि यह स्पै बहुत ही उच्चस्तर का कौटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबाधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान नियन्त्रित मात्रा में क्लोरोपायरिफॉस करवाएं।

20 प्रतिशत ईसी, क्लोरोपायरिफॉस

50 प्रतिशत ईसी, डेल्टामेथलिन

2.8 प्रतिशत ईसी तथा

लेम्बडासायलोथिन 5 प्रतिशत ईसी

किटनाशकों में से किसी भी एक

को नियन्त्रित मात्रा में पानी के घोल

के साथ टिड़ी प्रभावित क्षेत्र में स्पै

करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... उमर उजाला
दिनांक २९.१.२०२० पृष्ठ सं ६ कॉलम ।-५

टिड़ी की संख्या नाममात्र ही, स्पे करने वाली स्थिति नहीं



किसानों के साथ एचएयू के कीट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य।

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड़ी दल के बारे में सर्वे किया। इस दौरान कीट वैज्ञानिकों ने पाया कि जिले के चट्टांगंव में गिने चुने खेतों में नाममात्र टिड़ी (5-10 प्रति एकड़) प्राप्त हुई।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब तक स्पे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड़ी

का दल (स्वार्म) फसल पर बैठता है, तभी यह फसल को क्षति पहुंचाता है। टिड़ी दल का आर्थिक कल्गर 10 हजार टिड़ीयां प्रति हेक्टर यानी एक टिड़ी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड़ी प्रति जाड़ी है। टिड़ी के दल पड़ोसी राज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है।

वैज्ञानिकों के अनुसार किसान अपनी फसल पर टिड़ी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड़ी दल को इम आदि से आवाज या शेर कर के इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

~~दैनिक खेती~~

दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 25

हरियाणा में टिही दल की दस्तक, फिलहाल खतरा नहीं

हिसार, 28 जनवरी (निस)

राजस्थान से सटे सिरसा क्षेत्र में टिही दल की दस्तक से ही क्षेत्र के किसान और कृषि विभाग के अधिकारी और वैज्ञानिक सतरक हो गये हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि फिलहाल टिही दल खतरनाक नहीं है। किसानों के बीच जाकर वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि सिरसा क्षेत्र में टिही की संख्या नाममात्र ही है, इससे निपटने के लिए स्प्रे करने की जरूरत नहीं है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचयू) के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिही दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चड्डा गांव में गिने-चुने खेतों में नाममात्र टिही (5-10 प्रति एकड़) है। कीट वैज्ञानिकों का

■ सिरसा क्षेत्र में 5-10 टिही प्रति एकड़, फसल पर स्प्रे की जरूरत नहीं

■ कृषि विज्ञानियों ने सिरसा, कालांवाली में किया सर्वे

कहना है कि जब टिही का दल (स्वार्म) फसल/वनस्पति पर बैठता है, तभी यह फसल/वनस्पति को क्षति करता है। टिही दल का आर्थिक कगार 10 हजार टिहीयां प्रति हेक्टर यानि एक टिही प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिही प्रति ज्ञाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही है। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसान अपनी फसल पर टिही दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिही दल को इम से आवाज करके इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है।

टिही प्रकोप की आशंका के महेनजर हेल्प डेस्क स्थापित

हिसार (हप): पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर आदि जिलों में टिही के प्रकोप का फसलों पर प्रभाव देखने की मिला है। इस पर नियंत्रण के लिए कृषि विभाग ने जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर 01662-225715 वाली घोषणा की है। पौध संरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके नोबाहल नंबर 92158-09009 पर किसान टिही दल के बारे में सूचना दे सकते हैं। किसी भी किसान भाई या अन्य किसी व्यक्ति को टिही नजर आती है तो उसकी सूचना संबंधित कृषि विकास अधिकारी के हेल्प डेस्क नंबर पर दै तकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि कौटनाशक स्प्रे टिही दल के ठहराव के समय ही करें तथा हवा की दिशा में ही स्प्रे करें। क्योंकि यह स्प्रे उच्च स्तर का कौटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबंधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान नियंत्रित मात्रा में कलोरेपायरिफॉस 2.0 प्रतिशत इंसी, कलोरेपायरिफॉस 50 प्रतिशत इंसी, डेल्टानेथेलिन 2.8 प्रतिशत इंसी तथा लेम्बडासायलोथिन 5 प्रतिशत इंसी कीटनाशकों में से किसी भी एक को नियंत्रित मात्रा में पानी के घोल के साथ टिही प्रभावित क्षेत्र में स्प्रे करवाए। उन्होंने कहा कि अभी ज्यादा खतरा नहीं है। इसलिए किसान घबराये नहीं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

टीडी, जागरूक

दिनांक २१.१.२०२०

पृष्ठ सं. १२

कॉलम ७-८

टिडी दिखाई दे तो हेल्प डेस्क नंबर पर दें सूचना

जागरण संवाददाता, हिसार : उप कृषि अधिकारी के हेल्प डेस्क नंबर पर निदेशक डा. विनोद कुमार फौगट ने दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा बताया कि टिडी के प्रकोप से पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बिकानेर, जैसलमेर आदि जिलों में फसलों पर प्रभाव देखने को मिला है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिसका किसी व्यक्ति विशेष से कोई सरोकार नहीं है।

इसके नियंत्रण के लिए कृषि विभाग एवं पूरा प्रशासन बचाव कार्य में कार्यरत है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि टिडी से संबंधित सूचना के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर ०१६६२-२२५७१५ स्थापित किया गया है। पौध संरक्षण अधिकारी डा. अरुण कुमार यादव को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर ९२१५८-०९००९ पर किसान टिडी दल के बारे में सूचना दे सकते हैं। किसी भी किसान भाई या अन्य किसी व्यक्ति को टिडी नजर आती है तो उसकी सूचना संबंधित कृषि विकास

अधिकारी के हेल्प डेस्क नंबर पर दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इसके लिए किसानों को कुछ सुझाव, उपाय एवं सावधानियां बरतनी होंगी।

किसान अपने क्षेत्र में टिडी के प्रति सचेत रहें। उन्होंने बताया कि किटनाशक स्प्रे टिडी दल के ठहराव के समय ही करें तथा हवा की दिशा में ही स्प्रे करें। टिडी नियंत्रण विभाग द्वारा दवा का स्प्रे केवल पड़त, ओरण, गोचर एवं असिचित क्षेत्रों पर ही किया जाएगा। क्योंकि यह स्प्रे बहुत ही उच्च स्तर का किटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबंधित है। सिंचित क्षेत्र के लिए किसान निर्धारित मात्रा में क्लोरोपायरिफॉस २० फीसद ईसी, क्लोरोपायरिफॉस ५० प्रतिशत ईसी, डेल्टामेथिलिन २.४ प्रतिशत ईसी तथा लेम्बडासायलोथिन ५ फीसद ईसी कीटनाशकों में से किसी भी एक को निर्धारित मात्रा में पानी के घोल के साथ टिडी प्रभावित क्षेत्र में स्प्रे करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... भौतिक मासिक
दिनांक 29/1/2020 पृष्ठ सं ३ कॉलम ७

**एथेव का सर्व : अभी टिड़ी की संख्या
नाममात्र, स्पे करने वाली स्थिति नहीं**

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
के कौट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांबाली,
सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड़ी दल के बारे में
सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चट्ठा गांव में गिने चुने
खेतों में 5 से 10 टिड़ी प्रति एकड़ मात्र हुई। सर्वे में
पाया कि अब तक स्पे करने वाली स्थिति नहीं आई है।
जब टिड़ी का दल फसल व वनस्पति पर बैठता है तभी
यह फसल या वनस्पति को क्षति बनाता है। टिड़ी दल
का आर्थिक कगार 10 हजार टिड़ियां प्रति हेक्टेयर यानि
एक टिड़ी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड़ी प्रति ज्ञाड़ी है।
अभी इनकी संख्या नाममात्र ही हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

सिटी पल्स

दिनांक २४. १. २०२० पृष्ठ सं. ५

कॉलम ३-४

टिड्डी की संख्या नाममात्र ही, स्पे करने वाली स्थिति नहीं

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कॉट विज्ञानिकों द्वारा टीम ने डब्बाली, कालांगली, सिरसा क्षेत्र के गवर्नर नाम दीया कर टिड्डी दल के बारे में मर्है किया तथा पाया कि जिले के चतु गांव में जिन खेतों में नाममात्र टिड्डी (५-१० प्रति एकड़ि) प्राप्त हुई। मर्है में पाया गया कि अब तक स्पे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड्डी का दल (स्कर्म) फलाल / बरसाती पर बैठता है तभी यह फलाल / बरसाती को खात करता है। टिड्डी दल का आर्थिक क्षात्र 10000 टिड्डों प्रति वर्ग मीटर या ५-६ टिड्डी प्रति जाली है। अपनी इनकी संख्या नाममात्र ही है।

टिड्डी दल का अब एकमात्र गृज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है। किसान अपनी फलाल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को इस आदि से आवाज / शोर क्षुर के छह सेवों में छैठने से रोका



हिसार। कॉट विज्ञान के अध्यक्ष व अन्य सिरपा विले के किसानों के साथ।

जा सकता है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विभिन्न विज्ञान के कॉट विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत कॉट विज्ञानिकों द्वारा भी इस बारे में निगरानी रखने के लिए मतर्क कर दिया गया

है। यदि किसी किसान भाईयों को टिड्डियों के बारे में पता चले तो वह नाजीक के कॉट अधिकारी या कृषि विज्ञान केन्द्र व विश्वविद्यालय के कॉट विज्ञान विभाग को तुरन्त अवगत करवाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... ५१८५५८
दिनांक २८.१.२०२० पृष्ठ सं २ कॉलम १-२

**हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा, देखभाल
व संरक्षण का कर्तव्य व अधिकार-प्रो. सिंह**



हिसार, २८
जनवरी (निस) :
चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में
गणतंत्र दिवस
उत्साह व हर्षालास
से मनाया गया।

विश्वविद्यालय के हॉकी प्राइंटर्ड के प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बैठ की समूह धूम के बीच निरंगा फहराया। इस अवसर पर तुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डॉ.एस. दहिया की अगवानी में विश्वविद्यालय के विभिन्न कालजॉइं के एन.सी.सी. कैडेट्स तथा एन.एस.एस. स्ट्र्यॉसेक्यूरिटी के ट्रकट्रॉयों का निराकरण किया और परेड की सलामी ली। समारोह को मंजोरित करते हुए प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय समूदाय को इस यात्रन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा व उनकी देखभाल व उनके संरक्षण का कर्तव्य व अधिकार है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

नम्र चौट

दिनांक 28.1.2020

पृष्ठ सं 7

कॉलम 1-4

विश्वविद्यालय और देश को विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएँ : सिंह

हिसार/28 जनवरी/रेपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर हाँकी ग्राउंड में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बैंड की मधुर धुन के बीच तिरंगा फहराया। इस अवसर पर लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया की अगवानी में विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के एनसीसी कैडेंस तथा एनएसएस स्वयंसेवकों की दुकड़ियों का निरीक्षण किया और परेंट की सलामी ली। प्रो. सिंह ने कहा कि हर देश को अपने नागरिकों की सुरक्षा व उनकी देखभाल व उनके संरक्षण का कर्तव्य व अधिकार है।

सभी देशों का यह प्रयास रहता है कि वह अपने देश के नागरिकों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएँ प्रदान करें जिसके लिए वह समय समय पर नई नई स्कीम लागू करते हैं। देश के संसाधनों का बहु अपने नागरिकों के लिए उपयोग करता है न कि अनाधिकृत लोगों के लिए। बहुत से देशों ने अनाधिकृत लोगों को अपने देश में अवैधानिक तौर पर प्रवेश करने के लिए अलग अलग तरीके अपनाए हैं उदाहरण के तौर पर अमेरिका, मैक्सिको से आने वाले अनाधिकृत लोगों को रोकने के लिए दीवार बना रहा है तथा चीन ने भी पहले से ही ऐसी दीवार का निर्माण किया हुआ है। उन्होंने कहा मुझे बहुत खुशी है कि जिस उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी उसको पूरा

करने में हम सफल हुए हैं। विश्वविद्यालय में पहले चार महाविद्यालय थे जिसमें नये चार महाविद्यालयों की ओर शुरूआत की गई है जिसमें इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्यूरशिप, गुरुग्राम, मत्स्य महाविद्यालय, हिसार कृषि महाविद्यालय, बाबल व कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी शामिल है। लाईन डिपार्टमेंट के साथ तालमेल हेतू पंचकूला में यूनिवर्सिटी लाईन डिपार्टमेंट कोरडिनेशन सेंटर (यूएलडीसीसी) की स्थापना की गई है जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा न केवल जमीन बल्कि उसके लिए फंड भी प्रदान किये हैं। सेंटर ऑफ प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जो कि विश्वविद्यालय का हिस्सा हो गया है उसमें बड़े स्टर पर माइक्रोप्रोगेशन

व बायोनैटेक्नोलॉजी पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से विशेष अनुरोध किया कि इस विश्वविद्यालय और देश को उनसे बहुत अपेक्षाएँ हैं। उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ना चाहिए और देश व विदेश में अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करना चाहिए। विश्वविद्यालय ने उनके लिए अनेक योजनाएँ तथा कार्यक्रम आरंभ किए हैं जो उनके लिए बहुत लाभदायक साबित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय तथा कैपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें साक्षी मलिक व शैलेन्द्र ने मंच संचालन, दोपी सहरावत, कृष व डेजी ने कविता प्रस्तुत की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नम्रता २०२२
दिनांक २४. १. २०२० पृष्ठ सं ७ कॉलम १-५

हक्कविवेज्ञानिकों को मिले एजीमैट 2020 विभिन्न पुरस्कार

हिसार/28 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ऑन एप्रो मैट्रोलॉजिकल इन्टरवेन्शन्स फॉर एन्हाइसंग फार्मर्स इनकम (एजीमैट 2020) विषय पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय सेमिनार की

विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ. कृष्णा रोहलानिया, डॉ. करमल सिंह मलिक, करिश्मा नन्दा व ममता ने अपने-अपने विषय पर प्रस्तुति दी। वैज्ञानिक श्रेणी की थीम सात में डॉ. कृष्णा रोहलानिया और डॉ. पाला राम द्वारा आऊटब्रेक ऑफ बाईटफ्लाई ऑन कॉटन इन हरियाणा विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान, थीम नौ में डॉ. संदीप आर्य, डॉ. करमल सिंह, डॉ. शिव कुमार लोहान और डॉ. ओपी

योकी द्वारा ईकोलॉजिकल रोल ऑफ खेजडी ट्रीज इन रोजीलिएन्स ऑफ एग्रीकल्चर इन सेमी-ऐरिड लैंडसकेप्स ऑफ हरियाणा एवं राजस्थान लोकेटेड इन द वेस्टन पार्ट्स ऑफ इंडिया, विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान व स्थान प्राप्त किये। छात्र श्रेणी की थीम नौ में करिश्मा नन्दा, डॉ. संदीप आर्य व डॉ. पवन कुमार पुनिया द्वारा मीटीगेशन ऑफ क्लाईमेट चेन्ज थरो

मीलिआइबिआ बेसड एग्रोफोरेस्टी सिस्टम्स इन सेमी-ऐरिड जॉन ऑफ इंडिया विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान व ममता, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. दिवान सिंह एंड अमित सिंह द्वारा एक्सट्रीम टैम्परेचर एंड रेनफॉल वैटर इंवेन्ट्स इन हरियाणा, इंडिया फॉर द पीरियड्स फॉर्म 1985-2014 एंड ईट्स पॉसीबल ईम्पक्ट्स विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान प्राप्त किये।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... ५८५५
 दिनांक २४. १. २०२० पृष्ठ सं... ५ कॉलम ३७

हकूमि के वैज्ञानिकों व छात्रों ने केरल सेमिनार में मचाई धूम जीते कई अवार्ड

हिसार, 28 जनवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, किलकुट्टी में डॉ. कृष्णा रोलानीया, डॉ. करमल सिंह भालिक, करिशमा नन्दा व ममता ने अपने आगे विषय पर प्रस्तुति दी। आगे एओ इंकोलोजिकल कर एकार्डिंग एंड एप्लिकेशन्स इनकम (एजीएमट 2020) विषय पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन

किया। इस शब्दीय सेमिनार की विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ. कृष्णा रोलानीया, डॉ. करमल सिंह भालिक, करिशमा नन्दा व ममता ने अपने आगे विषय पर प्रस्तुति दी। वैज्ञानिक ब्रेणी की ओम लाल में डॉ. कृष्णा रोलानीया और डॉ. गता राम द्वारा आजट्रेक ऑफ वाइंडफलाई ऑन कॉटन इन हरियाणा विषय पर प्रस्तुतीकरण का



प्रथम स्थान, ओम जी में डॉ. लक्ष्मीप्राधि, डॉ. दीपा इन वैज्ञानिकलेखन ऑफ एप्लिकेशन्स इन सेन्ट-ऐरिन्ड लैंडसेप्टर ऑफ हरियाणा, एवं करिशमा लॉकेटर इन द वर्ल्ड चार्टर्स ऑफ इंडिया, विषय पर प्रस्तुतीकरण को द्वितीय स्थान व ममता, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. दिवान सिंह एण्ड अभित सिंह द्वारा एकार्डिंग ट्रैम्पोरेशन एण्ड रेनकॉल वेट इंवेन्ट इन हरियाणा, इंडिया पार द पीरियडस फरम 1985-2014 एण्ड इंटर्स पॉसीवल इन्फैक्चस विषय पर प्रस्तुतीकरण को प्रथम स्थान प्राप्त किये।